सांध्य दैनिक 4PM

मैंने एक बार पढ़ा था कि जो लोग दूसरों को पढ़ते हैं वो बुद्धिमान होते हैं, लेकिन जो खुद को पढ़ते हैं वो प्रबुद्ध होते हैं।

रॉबिन शर्मा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 01 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 2 फरवरी, 2024

तीसरे टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं... 7 | अंतरिम बजट! चुनाव के बाद दिखेगा... 3 | लेफ्ट हत्यारी पार्टी, नहीं करेंगे... 2

संसद में झारखंड को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला

बजट सत्र के तीसरे दिन विपक्ष का हंगामा

भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार

» बीजेपी संविधान की धज्जियां उड़ा रही : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के तीसरे दिन विपक्षी इंडी गठबंधन ने भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा भी शुरू हो गया है। विपक्ष ने झारखंड में चल रहे राजनीतिक हलचल पर केंद्र को घेरने का काम किया। गा। इसको लेकर सभी पार्टियों ने रणनीति भी बना ली है। झारखंड में नए सीएम के शपथ में हुई देरी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में नाराजगी जताई।

खरगे ने कहा कि झारखंड में संविधान की धज्जियां उड़ाई गई है। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार एक ही दिन में इस्तीफा देते हैं और दोबारा सीएम पद की शपथ ले लेते हैं। हालांकि झारखंड में चंपई सोरेन को नए सीएम के रूप में शपथ दिला दी गई है। वहीं बीजेपी ने कर्नाटक के कांग्रेस नेता द्वारा अलग राज्य की मांग वाले बयान पर कांग्रेस को घेरा है।

शशि थरूर ने उठाया डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा का मुद्दा

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने डॉक्टर्स के खिलाफ ड्यूटी के दौरान बढ़ती हिंसा की घटनाओं पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा एक हालिया सर्वे में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने बताया है कि 46.3 प्रतिशत डॉक्टर्स के तनाव का मुख्य कारण उनके खिलाफ होने वाली हिंसा है।% शशि थरूर ने सरकार से अपील की कि वे डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी पर सुरक्षा के लिए कानून बनाए।

सोनिया गांधी देश से माफी मांगें : प्रह्लाद जोशी

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा में कांग्रेस सांसद डीके सुरेश के अलग देश की मांग करने के बयान पर कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। जोशी ने कहा कि मैं सोनिया गांधी से माफी और कार्रवाई की मांग करता हूं। उन्होंने कहा कि एक सांसद के रूप में ये उनकी शपथ का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि मैं आग्रह करता हूं कि मामला आचार समिति को भेजा जाए। कांग्रेस को कार्रवाई करनी चाहिए। अगर वे नहीं मानेंगे तो देश मान लेगा कि आप भी देश के टुकड़े-टुकड़े करने की चाह में शामिल हैं।

यूपी विधानसभा में विपक्ष ने किया जोरदार बवाल

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान नारेबाजी

» सपा व कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ धरना दिया

» राज्यपाल ने हंगामा करने वालों को दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया। यह वर्ष 2024 का प्रथम और 18वीं विधानसभा का सातवां सत्र है। सत्र के दौरान वापस जाओ... के नारों और हंगामे के बीच राज्यपाल ने पूरा अभिभाषण पढ़ा, कई जगह रुककर जवाब भी दिया। वर्ष का प्रथम सत्र होने के नाते इसकी शुरुआत दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के समक्ष राज्यपाल के अभिभाषण से हुई। अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने योगी सरकार को लेकर हंगामा किया। वहीं अभिभाषण में राज्यपाल योगी सरकार के कामकाज का ब्यौरा देंगी। अयोध्या में हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अभिभाषण में प्रमुखता से उल्लेख किया है। विपक्ष कानून-व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों व निराश्रित पशुओं की समस्याओं को लेकर सदन में सरकार पर हमलावर रही।

सदन में अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायक लगातार हंगामा और शोरशराबा करते रहे।

उत्तर प्रदेश आशा, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का केंद्र : योगी

बजट सत्र से पहले सीएम योगी ने कहा, बजट सत्र है तो इस दौरान वर्ष 2024-25 का बजट भी उत्तर प्रदेश विधानमंडल में प्रस्तुत होगा और वर्ष भर की आय पर सदन में चर्चा होगी। सत्र प्रारंभ होने से पहले दलीय नेताओं से संबंधित बैठक और उससे पूर्व एडवाइजरी कमेटी की बैठक संपन्न कर जो कार्ययोजनाएं तय हुई हैं उसके अनुसार सरकार ने अपनी पूरी तैयारी की है।

मोदी को छोड़ सभी का टिकट काटेगी भाजपा : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी विधानसभा सत्र के शुरू होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं आपको एक ब्रेकिंग न्यूज दे रहा हूं। भाजपा लोकसभा चुनाव 2024 में एक सांसद (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) को छोड़कर सबका टिकट काटने जा रही है और उनकी भी सीट बदल दी जाएगी। उन्होंने कहा कि लोसा चुनाव में पीडीए ही एनडीए को हराएगा।

चंपई सोरेन बने झारखंड के नए मुख्यमंत्री

» 5 फरवरी को बहुमत साबित करेगी नई सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। चंपई सोरेन झारखंड के नए मुख्यमंत्री बने। उन्हें आज राजभवन में राज्यपाल ने शपथ दिलाई। उनके साथ दो अन्य लोगों ने भी शपथ लिया। झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने गुरुवार को झामुमो विधायक दल के नेता चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया और उन्हें शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्हें शपथ ग्रहण के बाद उन्हें 10 दिन के अंदर बहुमत साबित करना होगा। चम्पाई सोरेन के साथ कांग्रेस और राजद कोटे से एक- एक मंत्री भी शपथ लेंगे। इनमें क्रमशः आलमगीर आलम और सत्यानंद भोक्ता होंगे।

चंपई सोरेन सरकार पांच फरवरी को विधानसभा में बहुमत साबित करेगी। नौ फरवरी से विधानसभा का बजट सत्र है। इससे पहले सीएम ने शिबू सोरेन से मुलाकात की। झारखंड के मनोनीत मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि मैं शपथ लेने से पहले गुरुजी (शिबू सोरेन) और माताजी (रूपी सोरेन) का आशीर्वाद लेने के लिए यहां आया था। वह मेरे आदर्श हैं।

चंपई सोरेन हेमंत परिवार के कठपुतली होंगे

चंपई सोरेन के झारखंड के सीएम पद की शपथ लेने पर राज्य बीजेपी के प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री बनने से हमें झारखंड की संरचना या झारखंड की स्थिति में कोई बदलाव दिखने वाला नहीं है। क्योंकि हमारा मानना है चंपई सोरेन सिर्फ एक कठपुतली होंगे और इसकी डोर सोरेन परिवार खींचेगा।

हेमंत सोरेन को सुप्रीम झटका, याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद अब झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने गिरफ्तारी के खिलाफ डाली गई याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सोरेन से पूछा कि आप हाई कोर्ट क्यों नहीं जाते? उन्हें पांच दिन की रिमांड पर हिरासत में भेज दिया गया। सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह मामला एक मुख्यमंत्री से संबंधित है जिसे गिरफ्तार किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कहा कि अदालतें सभी के लिए खुली हैं और उच्च न्यायालय संवैधानिक अदालत ही है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को भूमि मामले में ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी याचिका के साथ झारखंड उच्च न्यायालय जाने को कहा। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने सोरेन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी से राहत के लिए उच्च न्यायालय जाने को कहा।

एकबार फिर ईडी के सामने नहीं पेश होंगे केजरीवाल

» आप ने बोला पीएम व बीजेपी पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फिर एकबार ईडी के सामने आने से मना कर दिया है। आप सीएम आज भी ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। ईडी के समन को गैरकानूनी बताते हुए आम आदमी पार्टी ने कहा कि यह सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार करने की कोशिश है। हम वैध समन का पालन करेंगे।। पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आप ने कहा कि उनका मकसद केजरीवाल को गिरफ्तार कर दिल्ली की सरकार को गिराना है। हम ये कतई नहीं होने देंगे।

ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में चल रही जांच में पूछताछ के लिए आज अरविंद केजरीवाल को बुलाया था।

भ्रष्टाचार करना आपका शिष्टाचार : पूनावाला

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने दिल्ली सीएम पर हमला बोलते हुए कहा, अरविंद केजरीवाल, अगर छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो आप खुद को ईडी और अन्य एजेंसियों के सामने पेश क्यों नहीं कर रहे हैं? आप वही केजरीवाल हैं, जिन्होंने अन्ना हजारे के संरक्षण में सबसे पहले यही कहा था, इस्तीफा होना चाहिए और फिर जांच। आज आप जांच में सहयोग करने से इनकार करते हैं। आप कहते हैं कि ये सब राजनीति से प्रेरित हैं, जैसे कि भ्रष्टाचार करना आपका शिष्टाचार है।

अंतरिम बजट! चुनाव के बाद दिखेगा बदलाव

विपक्ष का प्रहार, सरकार ने अपने खर्च का किया जुगाड़

» बजट ने सबको किया निराश
» मोदी सरकार ने उम्मीदों पर फेरा पानी
» किसान, बेरोजगार, जवान, सरकारी कर्मी मायूस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार का अंतिम बजट आखिर आ ही गया। उसको देखकर तो वही कहावत चरित्रार्थ हुई खोदा पहाड़ निकली चुहिया? पर जैसा सोचा था की इसबार मोदी आम जनता की झोली में कुछ सौगात डालेंगे पर ऐसा कुछ भी नही दिया। हालांकि यह अंतरिम बजट था। पूर्ण बजट नई सरकार के आने के बाद आएगा। जो संभवत: जुलाई में आ सकता है। 2024-25 की यह अंतरिम बजट जनता को मायूस कर गया। इसबार मोदी सरकार ने कुछ नही दिया। न तो किसान सम्मान निधि बढ़ाई, न ही वेतनभोगियों कोई लाभ मिला। टैक्स में कोई बदलाव नही किया । इतना है कि कारपोरेट टैक्स घटा कर बिजनेस क्लास को लाभ दने की मंशा जाहिर की। हो सकता है इसको लेकर विपक्ष भाजपा सरकार को आने वाले समय में घेरे भी।

लोकसभा चुनावों से ठीक दो महीने पहले मोदी सरकार का अंतरिम बजट कई लोगों की उम्मीदो पर पानी फेर गया। उधर पूरे विपक्ष ने बजट को निराशाजनत बताया है और कहा है कि यह बजट सिर्फ सरकार अपने खर्चे के लिए लाई है। लोग कयाय लगा रहे थे जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करने के लिए अपना बही खाता खोलेंगी तो उसमें किसानों को सौगात मिलेगी। टैक्स के मोर्चे पर टैक्सपेयर्स को राहत दी जाएगी. साथ ही सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए खुशखबरी का एलान होगा, पर सभी बाते हवा हो गई। 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने अंतरिम बजट में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लॉन्च करने की घोषणा की थी। इस योजना में छोटे किसानों को 2000 रुपये की तीन किस्तों में सालाना 6000 रुपये दिए जाते हैं, जिससे उन्हें डीजल, खाद और बीज के खर्चों में राहत मिल सके। बीजेपी को 2019 के लोकसभा चुनाव समेत कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में इस योजना का जबरदस्त लाभ मिला। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले मोदी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना की रकम में बढ़ोतरी करेगी। पिछले पांच सालों में फसलों पर किसानों की लागत बढ़ी है। किसानों को डीजल और बीज पर 5 साल के मुकाबले ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ रहा है। अब 11 करोड़ किसानों की उम्मीदों पर मोदी सरकार ने अंतरिम बजट में निराश दिया है। पीएम किसान निधि के तहत दिए जाने वाली रकम में कोई इजाफा नहीं किया गया है। वहीं बजट पर बीजेपी नेता प्रकाश जावड़ेकर ने कहा, आज के बजट में विकास और विरासत दोनों का उल्लेख है और नए संकल्प भी है. इस बजट में किसान, युवक, गरीब और महिलाओं को क्या-क्या प्राथमिकता दी गई है, ये बताया गया. ये बजट महत्वपूर्ण है। ये प्रगति सरकार का प्रगति दिशा निर्देशन बजट है कि 2025 में कैसे देश विकसित होगा इसका ये रोडमैप है।

सरकारी कर्मियों के आठवे वेतन आयोग का सपना तोड़ा

मोदी सरकार के अंतरिम बजट से सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स भी बेहद मायूस हैं, जिन्हें उम्मीद थी कि 8वें वेतन आयोग के गठन करने की घोषणा बजट में की जाएगी। एक जनवरी 2026 से 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाना है। नए वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए 18 महीने का समय चाहिए होता है। केंद्र सरकार के 1.17 करोड़ कर्मचारियों पेंशनर्स के अलावा ऑल इंडिया सर्विसेज, केंद्र शाषित प्रदेश, इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट्स डिपार्टमेंट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी, रेग्यूलेटरी अथॉरिटी से जुड़े कर्मचारी अधिकारी, सुप्रीम कोर्ट के अधिकारी कर्मचारी और डिफेंस फोर्सेज से जुड़े पर्सनल्स के वेतन, भत्तों, रैंक स्ट्रक्चर और पेंशन को लेकर वेतन आयोग अपनी सिफारिशें सरकार को सौंपती है। 8वें वेतन आयोग के गठन का समय आ चुका है इसके बावजूद मोदी सरकार ने वेतन आयोग बनाने के अब तक संकेत नहीं दिए हैं. जिससे इन लोगों में भी रोष है।

सिर्फ काम चलाने का बजट, किसी के लिए कुछ नहीं : खरगे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अंतरिम बजट पर कहा, इस बजट में गरीबों के लिए और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए कुछ भी नहीं था। सिर्फ काम चलाने के लिए यह बजट है। बीते दस साल से सरकार ने कितने कार्य किए हैं, उसका कोई जिक्र नहीं था। बीजेपी कहती है कि हमने देश में बहुत कार्य किये हैं. लेकिन उसका कोई जिक्र नहीं तथा, बीजेपी ने अपने वादे पूरे नहीं किए है. इस बजट में कुछ भी नहीं है. रक्षा क्षेत्र के लिए भी कुछ नहीं है।

दावों में सच्चाई से अलग देश का हाल : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अंतरिम बजट 2024 को लेकर एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा चुनाव से पूर्व, संसद में आज पेश बजट जमीनी वास्तविकता से दूर चुनावी लुभावने वाला ज्यादा. इस प्रकार, देश की जनता की अपार गरीबी, बेरोजगारी व बढ़ती हुई मंहगाई आदि से त्रस्त जीवन को नकारना अति-दु:खद व चिंतनीय. उन्होंने लिखा कि इसके साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था व विकास संबंधी सरकारी दावों व वादों में जमीनी सच्चाई होती तो फिर यहां के 80 करोड़ से अधिक लोगों को फ़री में राशन का मोहताज जीवन जीने को मजबूर नहीं होना पड़ता

भाजपा ने तारीफों के पुल बांधे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर अंतरिम बजट 2024 को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2024 एक दस्तावेज है जो एक उत्कृष्ट राजनेता के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी की भूमिका को सामने लाता है, जो सहकारी संघवाद के मूल्यों को बढ़ावा देते हुए देश को महानता के पथ पर ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच दशकों के लिए राज्यों को कुल 75,000 करोड़ का ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करने का निर्णय केंद्र-राज्य संबंधों को मजबूत करने में गेम चेंजर साबित होगा. इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि पीएम मोदी ने जिस महान भारत की कल्पना की है, उसमें कोई भी क्षेत्र पीछे न रह जाये। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने देश के आधारभूत संरचना को विश्वस्तरीय बनाने के लिए जहां बजट में एक तरफ 11.1 फीसदी बढ़ोतरी कर इसे रिकॉर्ड 11.11 लाख करोड़ रुपए किया है। वहीं लॉजिस्टिक कार्यकुशलता व लागत को कम करने के लिए पीएम गति शक्ति के अंतर्गत तीन बड़े रेलवे कॉरिडोर की घोषणा ने भविष्य के भारत की नई रूपरेखा भी देशवासियों के सामने रखी है.।उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आज देश में हाईवे निर्माण की गति तीन गुनी बढ़ चुकी है और एयरपोर्ट की संख्या भी दोगुनी से अधिक हुई है. आज आधुनिक वंदेभारत और नमो भारत ट्रेन भी नए भारत की शान बनी हैं। अंतरिम बजट पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा, यह अंतरिम बजट है। पिछले 10 साल से हम कदम दर कदम आगे बढ़ रहे हैं, चाहे युवा हों, महिलाएं हों, किसान हों। सबके लिए काम किया गया. सबसे बड़ी बात ये है कि एक करोड़ लखपति दीदी आ चुकी हैं. अब दो करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य रखा गया है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अंतरिम बजट पर कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बजट में गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है. उन्होंने कहा, महिलाओं के लिए लखपति दीदी योजना लाई गई है, इसके तहत 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है. वित्त मंत्री ने आत्मविश्वास से कहा है कि पूर्ण बजट में विकसित भारत का रोडमैप पेश किया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अंतरिम बजट पर कहा, बजट में 3 करोड़ बहनों को लखपति बनाने का लक्ष्य दिया गया है। भारत श्रेष्ठ होगा, समृद्ध होगा।

करदाता तो बढ़ाए पर दिया कुछ नहीं

नर्मला सीतारमण के अंतरिम बजट से टैक्सपेयर्स और खासतौर से सैलरीड क्लास भी बेहद निराश हैं। टैक्सपेयर्स को ये उम्मीद थी कि सरकार टैक्स के बोझ को कम करेगी. मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल के दौरान डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में तीन गुना उछाल देखने को मिला है। सीबीडीटी के मुताबिक 2013-14 में कुल 5,26,44,496 टैक्सपेयर्स थे जिनकी संख्या 2022-23 में बढ़कर 9,37,76,869 हो गई है। पर इस सब के बावजूद सरकार ने तो ना स्टैंडर्ड डिडक्शन के लिमिट को बढ़ाया और ना इनकम टैक्स छूट की लिमिट में कोई बढ़ोतरी की। नए इनकम टैक्स रिजीम को और आकर्षक बनाने के लिए भी बजट में कोई घोषणा नहीं की गई है जिससे टैक्सपेयर्स निराश हैं।

इंडिया गठबंधन जीता तो अगला बजट बेहतर होगा : द्रमुक

डीएके सांसद तिरुचि शिवा ने अंतरिम बजट पर कहा, अंतरिम बजट में कुछ खास नहीं है। इसमें बेहतर भविष्य के वादों की झलक नहीं दिखती। वे अगले पूर्ण बजट का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन वह हम पेश करेंगे। इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतेगा और हम सबसे अच्छा बजट पेश करेंगे।

सरकार अभी भी समस्याओं को स्वीकारना नही चाहती: श्रीनेत

अंतरिम बजट 2024-25 पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, सरकार अभी भी समस्याओं को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है. इस बजट में आम लोगों, रोजगार, कृषि, महिलाओं के लिए कुछ भी नहीं है. निर्मला सीतारमण कहा कि आय 50 फीसदी बढ़ गई है, लेकिन सरकारी डेटा कहता है कि वास्तविक आय 25 फीसदी कम हो गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कानूनों के सरलीकरण से हो सकता है लाभ!

दरअसल प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये उठाये कदमों की चर्चा की। उन्होंने अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सुप्रीम कोर्ट की हीरक जयन्ती एक अवसर है भारतीय न्याय प्रणाली की कमियों पर मंथन करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना।

अभी हाल ही में पीएम व चीफ जस्टीस ने कहा था कि भारत को अगर एक मजबूत राष्ट्र बनाना है तो पुराने कानूनों का सरलीकरण करना आवश्यक है। देश के दो प्रमुख संवैधानिक प्रमुखों की यह राय उचित है। इस तरह से जहां मुकदमों के देरी होने की प्रथा पर रोकथाम होगी वंही पेंडिंग केसो की संख्या भी कम होती। इससे आमजनता को भी लाभ मिलेगा। दरअसल प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये उठाये कदमों की चर्चा की। उन्होंने अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सुप्रीम कोर्ट की हीरक जयन्ती एक अवसर है भारतीय न्याय प्रणाली की कमियों पर मंथन करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। इस दृष्टि से यह अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारत न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी, और नया परिवेश देने वाला साबित हो रहा है। क्योंकि आजादी के अमृतकाल में पहुंचने तक भारत की न्याय प्रणाली अनेक कँटिली झाड़ियों में उलझी रही है।

भारतीय न्यायिक व्यवस्था का छिद्रान्वेषण करें तो हम पाते हैं कि न्यायाधीशों की कमी, न्याय व्यवस्था की खामियाँ और लचर बुनियादी ढाँचा जैसे कई कारणों से न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है तो वहीं दूसरी ओर न्यायाधीशों व न्यायिक कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ता जा रहा है। न्याय में देरी अन्याय कहलाती है लेकिन देश की न्यायिक व्यवस्था को यह विडंबना तेजी से घेरती जा रही है। प्रधानमंत्री ने जिक्र किया औपनिवेशिक दौर के पुराने पड़ चुके कानूनों की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए कानून लाना ब?ा कदम है। हालांकि ये कानून अभी लागू नहीं हुए हैं और इनसे जु? कुछ पहलुओं पर पुनर्विचार की जरूरत भी महसूस की जा रही है, लेकिन फिर भी इस कदम की अहमियत को कम करके नहीं आंका जा सकता। इस कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता शामिल थे। अनेक कानूनविद् यहां उपस्थित थे। न्याय प्रणाली में आमूल-चूल-परिवर्तन, परिवर्तन जरूरी है और उसे अधिक प्रभावी बनाने की अपेक्षा है। इसके लिये यह भी जरूरी है कि विशेष श्रेणी के मामलों के समाधान के लिये समय-सीमा तय की जानी चाहिये तथा लोक अदालतों और ग्राम न्यायालयों की स्थापना की जानी चाहिये।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सत्ता के साथ बिहार में वजूद बचाने की कवायद

केएस तोमर

कट्टर समाजवादी नेता कहे जाने वाले नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के गठबंधन को अलविदा कहकर एक बार फिर एनडीए का दामन थाम लिया है। दरअसल भाजपा को बहुत आवश्यकता थी कि नीतीश कुमार का जनता दल उसके साथ आये क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को बिहार में इसी दशा में अधिक सीटें मिल सकती थीं। विश्लेषकों का मत है कि यह जरूरी था कि भाजपा और जनता दल एक मंच पर आएं क्योंकि 2019 में इकट्ठा होकर लोकसभा चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद से दोनों दलों का मत प्रतिशत कम हो गया था। तब भाजपा और जनता दल ने मिलकर चुनाव लड़ा था। इन दलों को क्रमश: 23.58 और 21.81 प्रतिशत मत मिले थे जो 2020 के विधानसभा चुनावों के समय घटकर 19.46 और 15.39 प्रतिशत रह गए थे। शायद यही प्रमुख कारण था कि दोनों दलों ने प्रासंगिक रहने और सत्ता मे फिर लौटने के लिए यह समझौता किया है।

आकलन है कि नीतीश कुमार द्वारा इंडिया गठबंधन से अलग होने से बिहार की राजनीति पर गम्भीर परिणाम सामने आयेंगे। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा, जनता दल (यू) और एलजेपी का गठबंधन मजबूत है। जहां भाजपा और जनता दल का वोट शेयर 45.39 प्रतिशत बनता है, वहीं एलजेपी के 8 प्रतिशत मतों से यह 53.39 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाता है। इसके मुकाबले वाले विपक्षी गठबंधन में आरजेडी के 23.11 और कांग्रेस के 9.48 प्रतिशत मतों को मिलाएं तो वह जीत से बहुत दूर हो जाता है। इसका असर इंडिया गठबंधन पर पड़ना तय है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 17 सीटों पर और जनता दल ने 17 में से 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके अलावा गठबंधन के तीसरे दल एलजेपी ने 6 सीटें जीती थीं। इस तरह गठबंधन ने बिहार की 40 में से 39 सीटों पर परचम लहराया था। इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला था। हालांकि मौजूदा हालात में नीतीश कुमार को भी लाभ मिलना तय है। नए गठबंधन के कारण 2025 के विधानसभा चुनाव जीत का मार्ग प्रशस्त होगा।

माना जाता है कि गठबंधन में लालू परिवार के कारण नीतीश स्वयं को असहज महसूस कर रहे थे। लालू परिवार के विरुद्ध ईडी की कई मामलों

में जांच चल रही है और भ्रष्टाचार के आरोपों की आंच नीतीश कुमार तक भी पहुंच सकती थी। नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की स्थिति में ऐसी सम्भावनाएं थीं। नये समझौते के बाद नीतीश कुमार पर ईडी का खतरा टल गया माना जा रहा है। नीतीश के पाला बदलने के साथ खबरें ये भी थीं कि जनता दल के 6 सांसद भाजपा के संपर्क में थे और 2024 के लोकसभा चुनावों से ऐन पहले उनका साथ छोड़ सकते हैं। कहा जा रहा था कि राम मन्दिर निर्माण के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में हुई बढ़ोतरी के कारण इन सांसदों की जीत संशय में थी। वहीं जनता दल के सांसदों का मानना था कि विधानसभा चुनावों में मतदान के लिए मतदाताओं का नजरिया अलग होता है। वर्ष 2024 में फ़िर एनडीए मजबूत स्थिति में होगी जबकि इंडिया गठबंधन की स्थिति इतनी सुखद नहीं है क्योंकि ये दल अभी सीटों को लेकर भी तालमेल नहीं कर पाए और न ही प्रधानमंत्री के नाम पर सहमति है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इंडिया गठबंधन में कांग्रेस ही एकमात्र दल है जिसकी समूचे भारत में मौजूदगी है। ऐसे में कांग्रेस की ही जिम्मेदारी थी कि गठबंधन को मजबूती प्रदान करती और सीटों का बंटवारा समय रहते फाइनल हो जाता। कांग्रेस इस दायित्व को निभाने में असफल रही है। एक ओर जहां नीतीश कुमार गठबंधन का साथ छोड़ गए, वहीं अब तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भी अपना अलग रास्ता ढूंढ़ रहे हैं। सभी जानते हैं कि इंडिया गठबंधन को मूर्तरूप देने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले एक साल के दौरान कड़ी मेहनत की और क्षेत्रीय नेताओं से बार-बार मिलकर उन्हें एक मंच पर लाये। उनके प्रयासों के कारण ही पटना मे आयोजित 23 जून, 2023 की पहली बैठक सफल रही। लेकिन सब तय होने के बाद जब संयोजक चुनने का समय आया तो ममता बनर्जी ने खड़गे का नाम पेश कर दिया और केजरीवाल ने इसका समर्थन किया।

नीतीश को रोकने की उनकी रणनीति सफल भी रही बेशक यह निर्णय गठबंधन के लिए 2024 के चुनावों में घातक सिद्ध हो। यद्यपि नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के वर्तमान हाल के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। अंदरखाने यह चर्चा भी है कि स्थिति बिगाड़ने में आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी की भूमिका भी रही है।

इस्राइल में कामगार भेजने के जोखिम

वप्पला बालाचंद्रन

ऐसी खबरें आई हैं कि राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और राज्य रोजगार विभाग ने इस्राइल भेजने के लिए भारतीय कामगारों की भर्ती की है। कहा गया है कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम ने हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से संबंधित लगभग 550 प्रत्याशियों का पंजीकरण किया है। जैसा कि हालिया 'डंकी रूट' फिल्म में भी दिखाया गया है, लोगबाग 40-50 लाख रुपये चुकाकर अवैध दलालों के जरिए विदेश जाते हैं। लेकिन इन युवकों ने उनका रुख करने की बजाय यह सरकारी विकल्प चुना है। जहां विदेशों में रोजगार प्राप्ति के लिए सरकारी राह को तरजीह देने की बात कही जा रही है वहीं चिंतातुर सूचना है कि गंतव्य स्थान पर आप्रवासी कामगारों के हित सुनिश्चित करने के लिए जो कायदे-कानून और अनिवार्य आप्रवासन प्रक्रिया बनी है, इन चयनित युवाओं को उससे नहीं गुजरना होगा।

खबरें यह भी बताती हैं कि इनके सिर पर बीमा एवं मेडिकल कवरेज और अन्य गारंटियों जैसा सुरक्षा तंत्र भी नहीं होगा, जबकि विदेश जाकर रोजगार करने वालों के लिए सरकार ने इन्हें अनिवार्य बना रखा है। बताया जा रहा है कि कुछ श्रमिक यूनियनें इस्राइल वाले मामले पर आक्रोशित हैं और न्यायालय से राहत पाने का इरादा रखती हैं। अगर यह सब सच है, तो इस योजना पर अमल न करने की सलाह है। विदेशी मुद्रा भंडार में हमारे श्रमिकों का योगदान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मुकाबले हमेशा अधिक रहा है। वर्ष 2023 में विदेशी मुद्रा की मुख्य आमद भारतीय आप्रवासी कामगारों द्वारा भेजा पैसा है और इस बार रिकार्ड 125 बिलियन डॉलर आए। जबकि इसी कालखंड में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश केवल 70.9 बिलियन डॉलर रहा। यहां हमें जून, 2014 का मोसूल कांड याद रखने की भी जरूरत है। उस वक्त, दुर्दांत 'इस्लामिक स्टेट' आतंकी संगठन ने इराक के दूसरे सबसे बड़े शहर मोसूल को कब्जा लिया था और लगभग 40 आप्रवासी भारतीय कामगार लापता हो गए थे।

लंबे समय तक सरकार तीसरे पक्ष के जरिए इनकी खोज करती रही और प्राप्त संकेतों के आधार पर मान लिया कि वे सुरक्षित होंगे। सामान्यत: महज खुफिया सूत्रों के जरिए पाई जानकारी के आधार पर सरकार द्वारा संसद में कोई निश्चित बयान देना बनता नहीं। हमारी सरकार अपने रुख पर तब भी कायम रही जब अगवा किए 40 श्रमिकों में एक हरजीत मसीह ने दावा किया शेष 39 सहयोगियों को आईएस ने मार डाला है। मसीह किसी तरह उनकी चंगुल से भाग निकला और भारत पहुंचा था। मार्च, 2018 में जाकर सरकार ने स्वीकार किया कि वे मारे जा चुके हैं और मोसूल के उत्तर-पश्चिम में स्थित बादोश में उनकी सामूहिक क्रब मिली है, उनकी शिनाख्त की तस्दीक डीएनए टेस्ट से हुई। आगे चलकर मिली जानकारी के आधार पर कड़ी जुड़ी कि पहले बंदियों को एक कपड़ा उद्योग के परिसर में कैद रखा गया था। मसीह के भाग निकलने के बाद, उन्हें बादोश जेल भेज दिया था। इराकी प्रशासन की मदद से की गई छानबीन बादोश की सामूहिक कब्र ले गई, शव खोद निकालने के बाद पुष्टि हुई कि उनके शारीरिक एवं अन्य चिन्ह स्थानीयों से भिन्न हैं जैसे कि लंबे बाल, गैर-इराकी जूते और पहचान पत्र इत्यादि। उनके अवशेषों को डीएनए टेस्ट के लिए बगदाद भेजा गया। इसके बाद ही हमारी सरकार ने संसद में उनकी मौत की बात स्वीकारी थी।

साल 1916 में, चीन में जनरल युआन शिकाई के नेतृत्व वाली बेइयांग सरकार ने प्रथम विश्व युद्ध में लगभग 1 लाख 40 हजार चीनी कामगार बतौर 'स्वयंसेवक' यूरोप भेजकर इसी किस्म की गलती थी। शिकाई ने 1912 में आखिरी गद्दीनशीन बाल-सम्राट पुई को अगवा कर लिए जाने के बाद राजसत्ता संभाली थी। उसकी महत्वाकांक्षा खुद राज करने की थी और सुन यात-सेन के नेतृत्व में क्रांतिकारियों से दरपेश खतरे से निजात पाने के लिए वह ब्रिटेन और फ्रांस की सहायता चाहता था। इस मंतव्य की पूर्ति के लिए, गुप्त संपर्कों के जरिए चली वार्ता में, उसने युद्ध में चीनी सैनिकों को भेजने की पेशकश के साथ उन मुल्कों का समर्थन पाना चाहा। उसकी मंशा जर्मनी से शानडोंग पुन: छीनने की थी, जिसे उसने 1898 से जबदस्ती से कब्जा रखा था। इस तरह युद्ध उपरांत वह अपने साम्राज्य का विस्तार और बड़ी ताकतों के खेमे में होने की हसरत रखता था। हालांकि ब्रिटेन ने उसकी सीधी सैन्य पेशकश को खारिज कर दिया क्योंकि यह उसके अपने साम्राज्यवादी हितों के विरुद्ध जाती थी। जैसा कि साउथ चाईना मॉर्निंग पोस्ट के एक लेख में हांगकांग यूनिवर्सिटी के इतिहासकार शू गुओकी को उद्धृत करते हुए बताया गया है 'तब यह होने पर भारतीय स्वाधीनता आंदोलन को बल मिलता, क्योंकि ठीक इसी प्रकार की मांगें स्वाधीनता सेनानी ब्रितानी हुकूमत से करने लगते।'

हालांकि, ब्रिटेन को लड़ाकू चीनी दस्तों से इतर 'स्वयंसेवक' पाने से परहेज नहीं था। स्मिथसॉनियन मैग्जीन (2017 अंक) में लॉरेन बॉइशोनिउल के लेख में इसकी तफ्सील दी गई है। वह बताती हैं कि प्रथम विश्व युद्ध में गैर-यूरोपियन कार्यबलों में सबसे बड़ी गिनती चीनी 'स्वयंसेवकों' की थी। उन्हें खंदके खोदने या बारूदी सुरंगें बिछाने जैसे काम काम दे रखे थे। चूंकि चीन ने आधिकारिक तौर पर महायुद्ध में खुद को निष्पक्ष बता रखा था, इसलिए ब्रिटेन, फ्रांस और रूस को 'स्वयंसेवी श्रमबल' भेजने के लिए व्यापारिक कंपनियां बनाने की आड़ ली गई। सबसे बड़ी कंपनी तियानजिन की हुईमिन थी।

लेफ्ट हत्यारी पार्टी, नहीं करेंगे गठबंधन : ममता बनर्जी

» बोलीं- इंडिया गठबंधन केंद्र में बनाएगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। विपक्षी इंडी गठबंधन के टूटने की आशंका के बीच अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस के बाद लेफ्ट पर हमला बोला है। ममता ने लेफ्ट को हत्यारी पार्टी बताते हुए उसके साथ गठबंधन से इनकार किया है। सीट-बंटवारे पर बढ़ते मतभेदों के बीच ममता का ये बयान विपक्षी गठबंधन को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव के बाद समान विचारधारा वाले क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ केंद्र में सरकार बनाएगी और लेफ्ट से कभी हाथ नहीं मिलाएगी।

पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम ममता ने सीपीआई (एम) के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया और दावा किया कि सीपीएम के शासन के दौरान विपक्षी कार्यकर्ताओं की हत्याएं की गई थी। मैं सभी को आश्वस्त कर सकती हूं कि हम दिल्ली में सरकार बनाएंगे और केंद्र में हम कैसे और किस तरीके से सरकार बनाएंगे, यह हम लोकसभा चुनाव के बाद समान विचारधारा वाले क्षेत्रीय दलों के साथ बातचीत के माध्यम से तय करेंगे। बंगाल में लोकसभा चुनावों के लिए वामपंथियों से गठबंधन की संभावना से इनकार करते हुए ममता ने कहा कि जब सीपीआई (एम) बंगाल में सत्ता में थी, तब उन्होंने कई लोगों की हत्याएं कीं। उन्होंने कई लोगों की जान ले ली और कई लोगों को बर्बाद कर दिया। ममता ने कहा कि सिंगुर में (भूमि अधिग्रहण विरोधी कार्यकर्ता) तापसी मलिक को जिंदा जला दिया। लोगों को आग लगा दी गई और उनके शवों को नंदीग्राम की हल्दी नदी में फेंक दिया गया। हम कभी भी सीपीआई (एम) के साथ गठबंधन में नहीं जाएंगे। उन्होंने इसी तरह का अपराध शांतिपुर में भी किया था।

भारत न्याय यात्रा में जुट रही भीड़ से घबराए: अधीर

बोले- राहुल गांधी को बस झारखंड बॉर्डर तक पहुंचा दीजिए

मुर्शिदाबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बंगाल के मुर्शिदाबाद पहुंची। यहां कांग्रेस समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। हालांकि, अब थोड़ी अड़चनें देखने को मिल रही है। दरअसल, स्थानीय प्रशासन ने यात्रा को रोकने के लिए कहा है, जिस पर पार्टी नेता अधीर रंजन चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर कहा, हमें कहा जा रहा है कि यात्रा बंद कर दो, एक-दो गाड़ी में चले जाओ, ये कैसे हो सकता है। प्रशासन को मैं ये कहूंगा कि राहुल गांधी को बंगाल में बस 2-4 घंटे रहना है। बाद में आपकी जो मर्जी कीजिए, हमें और राहुल गांधी को कम से कम झारखंड बॉर्डर तक पहुंचा दिया जाए। दरअसल, तर्क दिया गया है कि इस यात्रा से स्कूली छात्रों को परेशानी हो रही है, जिस पर जवाब देते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा, अब तक तो सभी बच्चों अपने स्कूलों में पहुंच चुके हैं। हमें उन्हें परेशान करने की कोई मंशा नहीं है, बल्कि हम उन्हें क्यों ही परेशान करेंगे। राहुल गांधी भी अपनी गाड़ी से धीरे-धीरे हाथ हिलाते हुए सबका अभिनंदन करते हैं। साथ ही, कांग्रेस सांसद ने कहा, यात्रा में देरी इसलिए हो रही है, क्योंकि स्थानीय प्रशासन हमें कल रात से कह रहा है कि यात्रा नहीं होनी चाहिए। क्यों? क्योंकि यहां परीक्षाएं निर्धारित हैं। हम सहमत हैं, लेकिन सरकार की अपनी घोषणा के अनुसार, छात्रों को सुबह 8.30 बजे तक केंद्रों पर पहुंचेंगे और परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होंगी। हम शांतिपूर्वक झारखंड जाना चाहते थे।

बजट जमीनी वास्तविकता से दूर : मायावती

» बजट से युवाओं, किसानों और मध्यम वर्ग को निराशा : अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा चुनाव का जिक्र कर बजट पर सवाल उठाए हैं। गुरुवार को इंटरनेट मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में उन्होंने लिखा कि केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा चुनाव से पूर्व, संसद में पेश बजट जमीनी वास्तविकता से दूर, चुनावी लुभावने वाला ज्यादा है। बजट में देश की गरीबी, बेरोजगारी व बढ़ती हुई महंगाई से त्रस्त जीवन को नकारना दुखद व चिंतनीय है।

एक अन्य पोस्ट में सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने लिखा कि देश की अर्थव्यवस्था व विकास संबंधी सरकारी दावों व वादों में जमीनी सच्चाई होती तो फिर यहां के 80 करोड़ से अधिक लोगों को फ्री में राशन का मोहताज जीवन जीने को मजबूर नहीं होना पड़ता। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अंतरिम बजट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते केंद्र सरकार पर किसानों, युवाओं, महिलाओं, दलितों, पिछड़ों और मध्यम वर्ग की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश से भाजपा को इतना बड़ा जन समर्थन मिला, उस प्रदेश को अंतरिम बजट में धोखा मिला है। उन्होंने कहा कि संविधान की शपथ लेकर वित्त मंत्री झूठ बोल रही हैं कि देश में 11 करोड़ कृषकों को किसान सम्मान निधि भेजी जा रही है, जबकि सच्चाई यह है 2.29 करोड़ किसानों का नाम काट दिया गया है। अन्नदाता किसान की आय 27 रुपये प्रतिदिन की दर से घटी है।

भविष्य के सपने दिखाए, आज का हाल नहीं बताया : शत्रुघ्न

» टीमएसी सांसद ने बजट पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

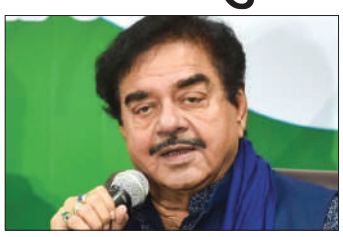

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने अंतरिम बजट को भविष्यवादी बजट बताते हुए नरेंद्र मोदी सरकार और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर जुबानी निशाना साधा है। उन्होंने सवाल उठाए कि बजट भविष्यवादी है। सब कुछ 2047 के लिए है मगर आज के लिए क्या है? आप चार वर्गों के बारे में बात करते हैं।

महिला, गरीब, किसान और युवा लेकिन आपने इनके लिए क्या किया है? क्या यह बजट रोजगार बढ़ाने या दोगुणा करने के बारे में और किसान की आय बढ़ाने को लेकर कुछ कहता है? वैसे, एक्टिंग की दुनिया से राजनीति में आने वाले शत्रुघ्न सिन्हा ने हेल्थकेयर बजट और लड़कियों के लिए टीकाकरण पहल पर संतुष्टि जताई है। उन्होंने कहा, कि यह अच्छा है कि 9 से 14 साल की लड़कियों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने के लिए मुफ्त वैक्सीन दी जाएगी।

भाजपा नैतिक रूप से लोस चुनाव हारी: अखिलेश

» कहा- पीडीए सरकार से खत्म होगा भेदभाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि भाजपा नैतिक रूप से 2024 का चुनाव हार चुकी है। अब तो बस राजनीतिक हार होने की घोषणा होना बाकी है। उन्होंने कहा कि हम लगातार जिस पीडीए की बात कर रहे हैं उसमें आदिवासी समाज भी शामिल है। साथ ही उन्होंने कहा कि इसबार का बजट भी मोदी का आखिरी ही बजट है। यूपी के पूर्व सीएम ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह पूरे देश में भेदभाव फैला रही है।

झारखंड प्रकरण पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा का आदिवासी विरोधी चेहरा सामने आ गया है। उन्होंने हेमंत सोरेन को झारखंड का 'साहसी योद्धा' बताते हुए कहा कि वह भाजपा के भ्रष्ट नेताओं और पूंजीपतियों के सामने दीवार बनकर खड़े रहे ताकि झारखंड के आदिवासियों को शोषण से बचाया जा सके। सोशल मीडिया पर अखिलेश ने कहा कि सोरेन के साथ ऐसा व्यवहार कर झारखंड के जनमत का अपमान किया जा रहा है।

झारखंड में हारेगी बीजेपी

उन्होंने कहा कि हर झारखंड वासी इस बार भाजपा के खिलाफ वोट डालेगा और भाजपा को ऐतिहासिक पराजय का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के बड़े मुद्दों के सामने बुरी तरह हारा मान रही है, इसलिए कहीं सरकारें गिरा कर, कहीं चयनित मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर अपनी सत्ता बचाए रखना चाहती है।

पूर्व एमएलसी जगजीवन बाबू के निधन पर जताया शोक

पूर्व एमएलसी, आजीवन नेताजी के पारिवारिक सदस्य की तरह रहे समाजवादी पार्टी के सशक्त स्तंभ जगजीवन बाबू का निधन हो गया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव उनके निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने लिख जगजीवन बाब जी का निधन, अत्यंत दुःखद! दिवंगत आत्मा को शांति दे भगवान। शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना। भावभीनी श्रद्धांजलि!

विभाजनकारी है बीजेपी की मानसिकता: सुरेश कुमार

» बजट से खुश नहीं कांग्रेस सांसद, दक्षिण के लिए की अलग देश की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक। मोदी सरकार के अंतरिम बजट से कर्नाटक के कांग्रेस नेता डीके सुरेश कुमार बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। उन्होंने बीजेपी पर विभाजनकारी मानसिकता रखने का आरोप लगाते हुए दक्षिण को अलग देश बनाने की मांग कर डाली। कांग्रेस नेता ने केंद्र पर बजट में दक्षिण भारत को विकास के लिए पैसा नहीं देने और इस पैसे का उपयोग उत्तर भारत में करने का आरोप लगाया डीके सुरेश कुमार ने कहा कि अगर मामले का समाधान नहीं किया गया तो दक्षिण को एक अलग देश बनाना होगा। बता दें कि कांग्रेस पिछले साल ही सत्ता में आई है। वह भी ममता बनर्जी की तरह ही केंद्र पर राज्य को पैसा नहीं देने का आरोप लगा रही है। उनका कहना है कि दक्षिण भारत में हर स्तर पर अन्याय हो रहा है, उन्होंने कहा कि हम अपना पैसा लेना चाहते हैं, चाहे वह जीएसटी, सीमा शुल्क या प्रत्यक्ष कर हो, हम अपना सही हिस्सा चाहते हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के लिए हमारे हिस्से का पैसा उत्तर भारत में बांटा जा रहा है।

लालबाग फोर्ट

लालबाग किला एक अपूर्ण 17 वीं शताब्दी मुगल किला है जो बांग्लादेश के ढाका के दक्षिण-पश्चिम भाग में बुरीगंगा नदी में स्थित है। मुगल काल की यादों को समेटे हुए एक अधूरी मुगल कृति है। इस किले में मस्जिद, मकबरा और ऐतिहासिक इमारतों का संग्रह देखने को मिलता है। यहां घूमने के लिए सर्दियों में अक्टूबर से मार्च का वक्त सबसे बेहतरीन होता है। किले का टिकट लगभग 100 रुपये है। यह किला भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) का मूक गवाह है। 1857 में जब स्थानीय जनता ने ब्रिटिश सैनिकों के विरुद्ध विद्रोह किया था तब 260 ब्रिटिश सैनिकों ने यहीं शरण लिया था। इस किले में पारी बीबी का मकबरा, लालबाग मस्जिद, हॉल तथा नवाब शाइस्ता खान का हमाम भी देखने योग्य है। यह हमाम वर्तमान में एक संग्रहालय में तब्दील कर दिया गया है।

बांग्लादेश

इन पर्यटन स्थलों पर भारतीयों को महसूस होता है अपनापन

भारत और बांग्लादेश के बीच एक नई रेल लाइन का उद्घाटन हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के निश्चिंतपुर व बांग्लादेश के गंगासागर स्टेशनों को जोड़ने वाले रेल लिंक समेत तीन परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इसके अलावा भारत-बांग्लादेश की यात्रा के लिए विश्व का सबसे बड़ा क्रूज गंगा विलास भी है। भारत और बांग्लादेश के मध्य वायु मार्ग के अलावा जल मार्ग और थल मार्ग भी खुले हैं, जो दोनों देशों के यात्रियों के लिए आवागमन का मार्ग खोल रहे हैं। बांग्लादेश में कई पर्यटन स्थल है, जहां की संस्कृति, सुंदरबन जैसे जंगल, रोमांच बढ़ा देने वाले द्वीप और ढाका की हलचल का अनुभव ले सकते हैं। मंदिरों के दर्शन से लेकर नाव की सवारी समेत बांग्लादेश के पर्यटन स्थलों के बारे में जानने के लिए इस देश की यात्रा करें।

सोनारगांव

सोनारंगाव मध्यकालीन बंगाल का हिस्सा है। इस स्थान पर विभिन्न बांस की कलाकृतियां, पारंपरिक गुड़ियों से भरा लोक कला संग्रहालय है। सोनारगांव में बांग्लादेश लोक कला संग्रहालय स्थित है, जो शुक्रवार से बुधवार तक सुबह 10 से 5 बजे तक पर्यटकों के लिए खुला रहता है। बौद्ध शासक दनुजामाधव दशरथदेव ने 13वीं शताब्दी के मध्य में अपनी राजधानी को बिक्रमपुर से सुवर्णग्राम में स्थानांतरित कर दिया था। 14वीं शताब्दी की शुरुआत में, इस क्षेत्र में बौद्ध शासन तब समाप्त हो गया।

पहाड़पुर बौद्ध विहार

नौगांव जिले में पहाड़पुर बौद्ध विहार एक ऐतिहासिक मठ है, जिसका इतिहास 8वी शताब्दी का है। इस स्थान को 1985 को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है। यहां आध्यात्म और शांति से जुड़ने के लिए यहां की सैर पर जा सकते हैं। यह बांग्लादेश का एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थान है। यह उत्तरी बांग्लादेश के जलोढ़ समतल मैदान में नौगांव जिले के बादलगाछी उपजिला में स्थित है। ऊंचे पुराने मठ के ये पुरातात्विक खंडहर जंगल से घिरे हुए थे और पहाड़ के नाम से मशहूर थे, जिससे महल को पहाड़पुर का नाम मिला।

अहसान मंजिल (पिंक पैलेस)

अहसान मंजिल बांग्लादेश के ढाका के कुमारटोली क्षेत्र में स्थित महल है, जो गुलाबी रंग के पत्थरों से निर्मित है। इसलिए इसे द पिंक पैलेस भी कहते हैं। ढाका के नवाबों की कचहरी इस महल में लगती थी। इसे अब म्यूजियम में तब्दील कर दिया गया है। इस महल का निर्माण 1859 में शुरू हुआ और 1872 में बनकर तैयार हो गया। अहसान मंजिल ढाका के नवाब का आधिकारिक आवासीय महल और सीट थी। यह इमारत बांग्लादेश के ढाका में बुरीगंगा नदी के किनारे कुमारटोली में स्थित है। इसका निर्माण 1859 में शुरू हुआ था और 1872 में पूरा हुआ था। अहसान मंजिल का निर्माण इंडो-सारसेनिक रिवाइवल वास्तुकला में किया गया था। इसे राष्ट्रीय संग्रहालय के रूप में नामित किया गया है। इमारत की संरचना 1 मीटर ऊंचे मंच पर स्थापित की गई थी, दो मंजिला महल की माप 125.4 मीटर × 28.75 मीटर है। भूतल की ऊंचाई 5 मीटर है और पहली मंजिल की ऊंचाई 5.8 मीटर है।

हंसना मना है

संजय-'हाल ही में पैदा हुआ तुम्हारा भाई इतना रोता क्यों है?' अजय-'बात ये है कि यदि तुम्हारे एक भी दांत न हो, सिर गंजा हो, पैर इतने दुर्बल हों कि आप खड़े भी न हो सको। ऐसी हालत में मेरा ख्याल है कि तुम्हें भी रोना आएगा।

बैंक मैनेजर-'तो आखिर आपने बीवी को तलाक दे दिया।' अकाउन्ट होल्डर-'आपको कैसे पता चला?' मैनेजर-'आपके अकाउंट में रकम बढ़ती जा रही है।'

शशि-'ऑटोग्राफ देना कब बेहतर नहीं लगता?' विनोद-'जब पत्नी को चेक बुक पर देना पड़े।

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी, दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी, तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी, इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है? लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं।

कहानी | कबूतर और मधुमक्खी

एक समय की बात है। एक जंगल में नदी किनारे एक पेड़ पर कबूतर रहता था। उसी जंगल में एक दिन कहीं से एक मधुमक्खी भी गुजर रही थी कि अचानक से वह एक नदी में जा गिरी। उसके पंख गीले हो गए। उसने बाहर निकलने के लिए बहुत कोशिश की, लेकिन वह नहीं निकल सकी। जब उसे लगा कि वह अब मर जाएगी, तो उसने मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया। तभी पास के पेड़ पर बैठे कबूतर की नजर उस पर पड़ गई। कबूतर ने उसकी मदद करने के लिए तुरंत पेड़ से उड़ान भर ली। कबूतर ने मधुमक्खी को बचाने के लिए एक तरकीब सोची। कबूतर ने एक पत्ते को अपनी चोंच में पकड़ा और उसे नदी में गिरा दिया। वह पत्ता मिलते ही मधुमक्खी उस पर बैठ गई। थोड़ी ही देर में उसके पंख सूख चुके थे। अब वह उड़ने के लिए तैयार थी। उसने कबूतर को जान बचाने के लिए धन्यवाद बोला। उसके बाद मधुमक्खी वहां से उड़कर चली गई। इस बात को कई दिन बीत चुके थे। एक दिन वही कबूतर गहरी नींद में सो रहा था और तभी एक लड़का उस पर गुलेल से निशाना लगा रहा था। कबूतर गहरी नींद में था, इसलिए वह इस बात से अंजान था, लेकिन उसी समय वहां से एक मधुमक्खी गुजर रही थी, जिसकी नजर उस लड़के पर पड़ गई। यह वही मधुमक्खी थी, जिसकी कबूतर ने जान बचाई थी। मधुमक्खी तुरंत लड़के की ओर उड़ गई और उसने जाकर सीधे लड़के के हाथ पर डंक मार दिया। मधुमक्खी के काटते ही लड़का तेजी से चिल्ला पड़ा। उसके हाथ से गुलेल दूर जाकर गिरी। लड़के के चिल्लाने की आवाज सुनकर कबूतर की नींद खुल गई थी। वह मधुमक्खी के कारण सुरक्षित बच गया था। कबूतर सारा माजरा समझ गया था। उसने मधुमक्खी को जान बचाने के लिए धन्यवाद बोला और दोनों जंगल की ओर उड़ गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

वृषभ

शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मिथुन

परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क

व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें।

सिंह

धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा।

कन्या

व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला

अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक

धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

धनु

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

मकर

धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न उठाएं। जल्दबाजी से चोट लग सकती है।

कुम्भ

भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

मीन

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

सिल्वर स्क्रीन पर एक साथ धमाल मचायेंगी अनन्या पांडे व सारा अली खान

बी टाउन की नई बेस्टबडीज अनन्या पांडे और सारा अली खान सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं। दोनों को हाल में ही करण जौहर के शो में नजर आईं है। अनन्या और सारा को एक-दूसरे की लव लाइफ के बारे में भी काफी राज पता है। अब इस जोड़ी को साथ में फिल्म में देखा जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो अनन्या और सारा कॉकटेल 2 में नजर आ सकती हैं। अनन्या और सारा प्रोडक्शन के बाहर कैजुअल लुक में स्पॉट हुई थीं। अनन्या ने व्हाइट टैंक टॉप और जीन्स कैरी किया था और हेयर ओपन किए हुए थे। वहीं सारा अली खान के लुक की बात करें तो उन्होंने व्हाइट क्रॉप टी-शर्ट और पैंट पहनी हुई थी। सिंपल लुक में दोनों ही बहुत स्मार्ट और ब्यूटीफुल लग रही थीं। अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम की देसी बॉयज का सीक्वल भी बनने जा रहा है। इसके सीक्वल में अक्षय और जॉन की जगह टाइगर श्रॉफ और वरुण धवन की जोड़ी नजर आएगी। इनके साथ अनन्या पांडे को फिल्म के लिए फाइनल किया गया है। हालांकि अभी तक फिल्म की कास्ट को लेकर कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं की गई है।

कॉकटेल 2012 में हुई थी रिलीज

कॉकटेल की बात करें तो फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई थी। मूवी में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पैंटी लीड रोल में नजर आए थे। कॉकटेल से डायना पैंटी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके अलावा डिंपल कपाड़िया और रणदीप हुड्डा ने अहम रोल निभाया था।

हीरामंडी की पहली झलक आई सामने, फैंस हुए एक्साइटेड

सिनेमाजगत को पद्मावत, देवदास, ब्लैक जैसी एक से बढ़कर एक खूबसूरत कहानियां दिखाने वाले संजय लीला भंसाली की फिल्मों का हमेशा ही दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। वहीं, काफी समय से वह अपनी वेब सीरीज हीरामंडी को लेकर चर्चा में हैं। कुछ वक्त पहले जारी किए गए फिल्म के पोस्टर ने दर्शकों के बीच काफी बेचैनी बढ़ा दी थी। वहीं, अब इसका टीजर भी जारी कर दिया गया है।

हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार वेब जगत के लिए सबसे बड़ा शो है, जिसे इतने भव्य पैमाने पर पहले कभी नहीं देखा गया है। यह एक ऐसी सीरीज है जो निश्चित रूप से भारतीय और ग्लोबल दर्शकों के लिए वेब सीरीज की दुनिया को फिर से परिभाषित करेगी।

संजय लीला भंसाली नेटफ्लिक्स के साथ मिल कर शो को ग्लोबल बना रहे हैं और जो एक ग्लोबल घटना बनने के लिए तैयार है। यह संजय लीला भंसाली का जादू है स्क्रीन पर साफ नजर आता है।

यह आपको विजुअली दीवाना कर देने वाली दुनिया की यात्रा कराएगा। इसके संगीत से लेकर शानदार नजारें और हसीनाओं के लुक तक, सब कुछ कल्पना से परे है। संजय लीला भंसाली की कहानी कहने की कला हर फ्रेम में नजर आ रही हैं। यह ग्लोबल दर्शकों के लिए सबसे देसी अंदाज में बताई गई भारतीय कहानी है। इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख नजर आने वाली हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

रोबोट का किरदार निभाने को पलभर में हां कर दी थी : कृति

कृति सेनन और शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दोनों कलाकार इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। कृति सेनन इस फिल्म में एक रोबोट का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। बड़े पर्दे पर पहली बार कोई अभिनेत्री रोबोट का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। हाल ही में कृति ने फ़िल्म में अपने किरदार को लेकर बात की है। कृति सेनन ने हाल ही में बताया कि जब पहली बार उन्हें पता चला कि वह फिल्म में एक रोबोट की भूमिका निभा रही हैं। तो इस पर उनकी प्रतिक्रिया कैसी थी। एक बातचीत के दौरान कृति ने कहा, तो जब मैं स्क्रिप्ट सुन रही थी, तो मैं इसे एक हल्की फिल्म की तरह सुन रही थी। मुझे नहीं पता था कि क्या होने वाला है और मैंने कहा कि हां अच्छी है। आप जानती हैं कि केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। प्यारी प्रेम कहानी और सब कुछ और फिर ऐसा कृति ने आगे कहा, तो शाहिद की ट्रेलर में जो प्रतिक्रिया थी, उस समय वह मेरी प्रतिक्रिया थी। मगर यह वास्तव में बहुत अच्छे से लिखी गई है। कई जगहों पर यह सचमुच मजेदार है। इसलिए मुझे याद है कि मैं किसी भी चीज की उम्मीद नहीं कर रही थी और बस खूब हंस रही थी। मैं सचमुच बहुत हंस रही थी। अंत में मैं फूट-फूट कर रोने लगी। मैंने लगभग हंसते हुए दीनू को फोन किया और मैंने कहा सुनो यह वास्तव में मजेदार है। मैं यह कर रही हूं। ट्रेलर और गानों में हमने जो झलक देखी है, उससे यह स्पष्ट है कि कृति सेनन अपने किरदार की जटिलताओं को सहजता से पेश करती हैं। फिल्म में कृति, सिफ़रा नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हैं। तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में कृति और शाहिद पहली बार स्क्रीन साझा करते हुए दिखाई देंगे। फिल्म के ट्रेलर और गानों में दोनों की जबर्दस्त केमिस्ट्री देखने को मिली है। शाहिद कपूर और कृति सेनन की यह लव स्टोरी फिल्म वैलेंटाइन के मौके पर थिएटर में आएगी। फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया अपने ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही दर्शकों में उत्साह जगा रही है।

राजस्थानी शादियों की अजीबोगरीब परंपरा बारातियों के कपड़े मैले करती हैं महिलाएं

भारत में हर राज्य की अपनी परंपरा है। चूंकि भारत में कई धर्म के लोग रहते हैं, इस वजह से हर थोड़ी दूरी पर ये परम्पराएं बदल भी जाती हैं। खासकर बात अगर राजस्थान की करें, तो आज भी यहां कई सदियों पुरानी परम्पराएं निभाई जाती हैं। शादी-ब्याह के समय आज के समय में भी उन परम्पराओं को निभाया जाता है, जिसे अब ज्यादातर लोग भूल चुके हैं। इसी में से एक परंपरा का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। वायरल हो रहे इस वीडियो में कुछ महिलाओं को घर में बैठे मर्दों के कपड़े गंदे करते देखा गया। ये महिलाएं एक बर्तन में रंग घोलती हैं और उसमें अपने हाथ डुबोकर मर्दों के कपड़े गंदे करती हैं। इतना ही नहीं, आदमियों के चेहरे पर भी रंग लगाया जाता है। जब इसका वीडियो शेयर किया गया, तो ज्यादातर लोग समझ नहीं पाए कि आखिर ये क्या चल रहा है? लेकिन आपको बता दें कि इस परंपरा का अपना एक खास मतलब है। वायरल हो रहे इस वीडियो में दिखाई गई परंपरा का नाम छापे है। इसे राजस्थान के मारवाड़ इलाके में अपनाया जाता है। इस रिवाज में दुल्हन पक्ष की महिलाएं अपने घर आए बारातियों के कपड़े गंदे करती है। ये इस बात का सबूत होता है कि वो शादी में गवाह के तौर पर मौजूद थे। इसके साथ ही इसे थैंक्स बोलने का एक तरीका भी माना जाता है। हालांकि, अब शादियों में लोग महंगे कपड़े पहनकर जाने लगे हैं। इस वजह से ये रिवाज अब ज्यादातर देखा नहीं जाता है।

इस वीडियो में महिलाएं मर्दों के कपड़ों के अलावा उनके चेहरे पर भी रंग लगाती नजर आई। मर्दों के कपड़े पर पंजे का निशान बनाया जाता है। इसके बाद नाचगाना होता है। कई बार बाराती भी रंग घोलकर लाते हैं और कन्या पक्ष की महिलाओं के ऊपर रंग छिड़कते हैं। लोगों को इस गायब होती परम्परा का वीडियो काफी पसंद आया है। कई ने कमेंट में लिखा कि अब ऐसा काफी कम देखने को मिलता है। ज्यादातर को तो इस परंपरा की जानकारी भी नहीं है।

अजब-गजब | सर्वणा स्टोर, लोटस ग्रुप व जी स्क्वायर पर छापेमारी के दौरान हुआ अजीब कारनामा

जब कब्रिस्तान में पड़ी इनकम टैक्स की रेड मुर्दों के पास से मिला 433 करोड़ का खजाना

इनकम टैक्स विभाग ऐसे लोगों पर कार्यवाही करता है, जिनके पास ब्लैक मनी होती है या पैसों के लेन देन में हेराफेरी करते हैं। आपने भी कई बार इनकम टैक्स की रेड के बारे में सुना होगा। इनकम टैक्स की रेड में कई लोगों के घरों से करोड़ों रुपए बरामद होते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि इनकम टैक्स ने कब्रिस्तान में रेड डाली और वहां मुर्दों के पास से करोड़ों रुपए बरामद किए। कुछ वर्ष पहले तमिलनाडु में ऐसा हो चुका है।

दरअसल, साल 2019 में जनवरी के आखिरी हफ्ते में तमिलनाडु के मशहूर सर्वणा स्टोर, लोटस ग्रुप व जी स्क्वॉयर के करीब 72 कार्यालयों पर आयकर विभाग ने छापा मारा था। यह छापा चेन्नई व कोयंबटूर में मारा गया था। पैसे, हीरे व जेवरात छुपाने के लिए इन तीनों कंपनियों के मालिकों ने काफी कुछ सामान एक कब्रिस्तान में छिपा दिया था।

28 जनवरी को मारे गए छापे में इनकम टैक्स विभाग को ज्यादा कुछ नहीं मिला था। दरअसल, कंपनी के मालिकों को इनकम टैक्स के छापे के बारे में पहले ही सूचना मिल गई थी। ऐसे में तीनों कंपनियों के कर्मचारियों ने ज्यादातर पैसों, सोना व हीरों को एक एसयूवी में छुपाकर चेन्नई की सड़कों पर दौड़ाना शुरू कर दिया। इस गाड़ी में जो सामान था उसकी कुल कीमत 433 करोड़ रुपये के करीब थी। आयकर अधिकारियों को छापा मारने के बाद यह सूचना मिली कि एक गाड़ी चेन्नई की सड़कों पर लगातार चक्कर मार रही है और इसमें काफी काला धन व जेवरात हैं।

इस गाड़ी को जब पुलिस की मदद से ढूंढ निकाला गया तो इसमें कुछ नहीं मिला। हालांकि सख्त पूछताछ के बाद एक कब्रिस्तान में कई सारे बोरे छुपाने की बात ड्राइवर ने बता दी। इसके बाद आयकर अधिकारियों ने कब्रिस्तान में खुदाई शुरू कराई। खुदाई में आयकर अधिकारियों को करीब 25 करोड़ रुपये नगद, 12 किलो सोना और 626 कैरेट की हीरे बरामद किए। 28 जनवरी को शुरू हुआ ऑपरेशन 9 दिन बाद खत्म हुआ। इस ऑपरेशन के खत्म होने के बाद आयकर अधिकारी फिलहाल कंप्यूटर से डिलीट किए गए डाटा को वापस लेने के लिए आईटी प्रोफेशनल की मदद ली।

दिल्ली से बंगाल तक मोदी सरकार के खिलाफ हल्लाबोल

» सिंधु बॉर्डर से पुलिस ने 25 आप कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

कोलकाता में टीएमसी ने बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब, दिल्ली से बंगाल तक बीजेपी के खिलाफ जोरदार धरना प्रदर्शन जारी है। जहां आप चंडीगढ़ में मेयर चुनाव में बीजेपी सरकार द्वारा बेइमानी किए जाने के खिलाफ सड़कों पर उतरी है वहीं पश्चिम बंगाल में टीएमसी मोदी सरकार के खिलाफ बकाया राशि की मांग को लेकर धरना दे रही है। चंडीगढ़ के मेयर चुनाव का मुद्दा राजधानी दिल्ली तक आ पहुंचा है।

चंडीगढ़ चुनाव में हुए कथित फर्जीवाड़े को लेकर आज आप दिल्ली में भाजपा मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन करेगी। हालांकि पुलिस ने प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान भी विरोध प्रदर्शन का हिस्सा होंगे। डीडीयू मार्ग और विष्णु दिगंबर मार्ग के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। वाहनों की सुरक्षा जांच की जा रही है।

भाजपा डरी, शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी रोक रही : आतिशी

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा, चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में खुलेआम धोखाधड़ी हुई। आज आप के नेता, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान दिल्ली में भाजपा के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन इस शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन से पहले पूरे दिल्ली में बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। आप के कार्यालय को छावनी बना दिया गया है। आज भाजपा को इतना डर लग रहा है कि एक तरफ चुनाव में घपला करते हैं और दूसरी तरफ देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी नहीं हो सकता। भाजपा को इतना डर क्यों है?

दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात

हालात के मद्देनजर दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 1000 जवान तैनात किए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर से अब तक 25 आप कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। ये सभी पंजाब और हरियाणा के पार्टी कार्यकर्ता हैं। पुलिस को शक है कि वे आज पार्टी के विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले थे। कुछ अन्य कर्मियों को रोका गया है। जिन लोगों को सीमा पर हिरासत में लिया गया है उन्हें सत्यापन के बाद जाने की अनुमति दी जाएगी। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, पहले उन्होंने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में वोट लूटे। अब, इसके खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए आ रहे लोगों को पूरी दिल्ली में रोका जा रहा है।

बकाया निधि को लेकर कोलकाता में सड़क पर उतरीं ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केंद्र द्वारा राज्य का बकाया कथित तौर पर रोके जाने के विरोध में शुक्रवार से यहां धरना दिया। केंद्र द्वारा विशेष रूप से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत बकाया राशि कथित तौर पर रोके जाने का मुद्दा राज्य में एक बड़े राजनीतिक विवाद में बदल गया है। इसे पहले तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा धरना अपराह्न एक बजे रेड रोड इलाके के मैदान में शुरू होगा। हमारी पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगी। पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले, तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पार्टी विधायकों, सांसदों, मंत्रियों और मनरेगा कार्यकर्ताओं के एक समूह के साथ नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था और यहां राजभवन के बाहर पांच दिन तक धरना दिया था।

गोहत्या कराने वाले बीएचपी नेता समेत चार गिरफ्तार

» पुलिस की छवि व सद्भाव बिगाड़ने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले की छजलैट थाने की पुलिस ने गोहत्या से जुड़े दो हालिया मामलों में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) एवं बजरंग दल के जिला प्रमुख मोनू विश्नोई समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है जिसने पुलिस की छवि प्रभावित करने और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने के इरादे से यह घटना की। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 16 जनवरी को छजलैट थाने के छत्रपुर में एक गाय के अवशेष फेंक दिए थे।

पुलिस ने बताया कि विश्नोई एवं अन्य ने एक गाय चुरा ली और उसे वन क्षेत्र में मार डाला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हेमराज मीणा ने कहा, क्षेत्र में तनाव पैदा करने और छजलेट थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) को निशाना बनाने के लिए घटनाओं की योजना बनाई गई और उन्हें अंजाम दिया गया। एसएसपी ने बताया कि 16 जनवरी को मोनू बिश्नोई ने खुद ही पुलिस को फोन करके गोमांस के अवशेष होने की सूचना दी जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। आरोपी ने अवशेष के पास कुछ कपड़े भी रखे थे, जिसमें से एक स्थानीय व्यक्ति मकसूद की तस्वीर और उसका फोन नंबर भी रखा था।

तीसरे टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं विराट कोहली!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीसीसीआई ने साधी चुप्पी

20 साल के स्पिनर की गेंद पर चकमा खा गए भारतीय कप्तान

विशाखपट्नम। 2 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच विशाखापट्टनम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा। इस मुकाबले में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज नहीं दिखेंगे। दरअसल, 5 मैचों की सीरीज शुरू होने से पहले ही शुरू के दो टेस्ट मैचों से निजी कारणों का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन अब तीसरे टेस्ट में भी उनके खेलने की संभावनाएं कम ही हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने कोहली की वापसी पर चुप्पी साध रखी है। भारत को उस समय बड़ा झटका लगा था जब कोहली पहले दो टेस्ट मैचों से हट गए थे।

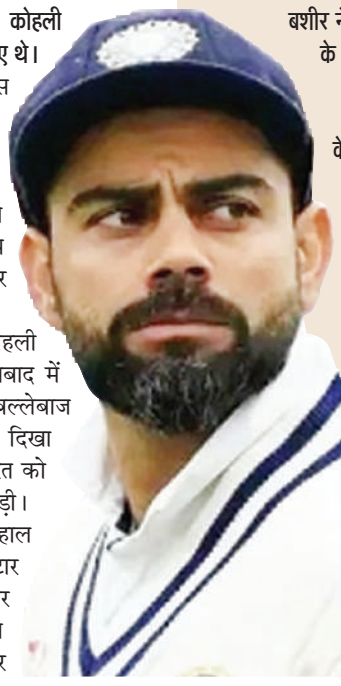

बीसीसीआई ने उस दौरान मीडिया से कहा कि कोहली कुछ खेलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। लेकिन 2 फरवरी से होने वाले मुकाबले के साथ कोहली की उपलब्धता पर ध्यान देना बाकी है।

स्टार बल्लेबाज कोहली की गौरमौजूदगी में हैदराबाद में दूसरी पारी में भारत के बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। जिस कारण भारत को 28 रनों से हार झेलनी पड़ी।

कोहली फिलहाल भारत में नहीं हैं। स्टार बल्लेबाज विदेश में हैं और ऐसे में कोहली की टीम इंडिया में वापसी पर सवाल खड़े हो गए हैं। ये देखना होगा कि भारत के पूर्व कप्तान कब टीम में वापसी करते हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच विशाखापट्टनम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर ने इस मैच में अपने टेस्ट करियर का आगाज किया। बशीर ने रोहित शर्मा जैसे बेबतरीन बल्लेबाज के रूप में अपना पहला विकेट चटकाया। भारत की ओर से रोहित और यशस्वी पारी का आगाज करने के लिए मैदान पर उतरे थे। ऐसे में इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर ने इस मैच में अपने टेस्ट करियर का आगाज किया। बशीर ने रोहित शर्मा जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के रूप में अपना पहला विकेट चटकाया। रोहित को बशीर ने 14 के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा। 20 साल के गेंदबाज की गेंद पर रोहित चकमा खा गए और गेंद सीधा ओली पोप के हाथों में चली गई। रोहित शर्मा गेंद को मारना चाहते थे, लेकिन तेज गति और टर्न के कारण गेंद पोप के हाथों में समा गई। रोहित कैच आउट पर हैरान रह गए। बशीर ने रोहित और यशस्वी के बीच बढ़ रही बड़ी पार्टनरशिप को तोड़ा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले दिन लंच तक रोहित शर्मा और शुभमन गिल का विकेट गंवाया है। भारत ने 31 ओवर में 103 रन बनाए हैं। शुभमन गिलको एंडरसन ने 34 रन पर आउट किया। एंडरसन ने गिल को 5वीं बार पवेलियन की राह दिखाई है। हालांकि गिल एक बार फिर अपनी पारी को बड़े स्कोर में तबदील करने में नाकामयाब रहे।

आज तक के पत्रकार सुधीर चौधरी पर आदिवासी समाज का अपमान करने का केस दर्ज

» एसटी/ एससी थाना में एफआईआर दर्ज करायी

» झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुधीर चौधरी को गिरफ्तार करने की मांग

शिकायतकर्ता ने मांग की है कि एससी-एसटी एट्रोसिटी प्रीवेंशन एक्ट-1989 के तहत सुधीर चौधरी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाये। उनको गिरफ्तार किया जाए। मौके पर आदिवासी सेना के महानगर अध्यक्ष अजित लकड़ा, अमरनाथ लकड़ा, आकाश तिर्की, पंकज भगत,नितिन तिर्की, मुंत्रा तिरकी, आकाश बढ़ा, अनूप लकड़ा,निशांत खलखो,उत्तम सांगा एवं अन्य युवा उपस्थित रहे।

रांची। आज तक के एंकर सुधीर चौधरी के खिलाफ रांची के एसटी/ एससी थाना में एफआईआर दर्ज करायी है। दरअसल, पत्रकार चौधरी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ एक स्टोरी चलाई जिसमें उन्होंने उनके लिए अभद्र भाषा को प्रयोग किया गया। इसी को लेकर लोगों में आक्रोश था जिसके तहत उनपर कार्रवाई की मांग की गई।

एफआईआर में कहा गया है कि आज तक चैनल के एंकर सुधीर चौधरी ने अपने खबर में कहा है कि हेमंत सोरेन को चार्टर प्लेन और सुविधायुक्त जिंदगी जीने की आदत लग गयी है। पर सीएम पद जाने के बाद हालात बदल गए हैं। अब उन्हें जंगल में आदिवासी की तरह रहना पड़ेगा। जैसा थे 30-40 साल पहले रहा करते थे। उनके लिए यह काफी मुश्किल होगा। आदिवासी समाज को एवं पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बारे में हिंदी न्यूज चैनल आज तक के प्राइम टाइम शो ब्लैक एंड ह्वाइट के कार्यक्रम के एंकर सुधीर चौधरी द्वारा अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई। कहा गया कि प्रतीत होता है की सुधीर चौधरी जातीय विद्वेष में ग्रसित एक व्यक्ति है, जिनकी नजर में आदिवासियों का मतलब पिछड़ापन और जंगली होता है। उनके इस अभद्र टिप्पणी से पुग आदिवासी समाज आहत है। हम लोग उनको बताना चाहते हैं की आदिवासी समाज जंगली नहीं है। आज देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हैं जो देश के पूरे जूडिशियल सिस्टम की अभिभावक भी है।

ऐसे में सुधीर चौधरी द्वारा आदिवासी को जंगली बताना निहायत जातिवाद से ग्रस्त और ऊंच-नीच की भावना से प्रेरित मालूम पड़ता है। उनके इस शर्मनाक बयान में पूरा आदिवासी और आदिवासी समाज को नीचा दिखाने की उनकी इस मंशा का संवैधानिक और लोकतान्त्रिक रूप से विरोध करते हैं ।

विशेषज्ञ समिति ने सीएम धामी को सौंपी यूसीसी की मसौदा रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कल कैबिनेट बैठक में होगी चर्चा

देहरादून। प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी मसौदा रिपोर्ट सीएम पुष्कर सिंह धामी को सौंपी। कल कैबिनेट बैठक में यूसीसी ड्राफ्ट रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद इसे छह फरवरी को विधानसभा में पेश किए जाने की उम्मीद है।

ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंपने के लिए विशेषज्ञ समिति की अध्यक्ष जस्टिस (सेनि) रंजना प्रकाश देसाई और उनकी टीम मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन पहुंची। जहां उन्होंने सीएम धामी को रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, लंबे समय से हमें इस ड्राफ्ट का इंतजार था, आज हमें ड्राफ्ट मिल गया है। हमने उत्तराखंड की जनता से वादा किया था कि नई सरकार के गठन के बाद हम समान नागरिक संहिता के लिए कानून बनाएंगे। इस ड्राफ्ट का परीक्षण करने के बाद जो भी जरूरी औपचारिकताएं हैं उसे पूरा कर, ड्राफ्ट को विधानसभा में पेश कर विधेयक लाएंगे। इस रिपोर्ट को सौंप जाने के साथ ही उत्तराखंड देश में सबसे पहले यूसीसी लागू करने वाला राज्य बनने के लिए एक और अहम कदम बढ़ा देगा।

दिल्ली में स्कूल को बम से उड़ाने का ईमेल

» हड़कंप मचने के बाद खाली कराया कैंपस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के आरकेपुरम स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब स्कूल की प्रिंसिपल को एक मेल मिला जिसमें स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेल मिलने की खबर फैलते ही पूरे स्कूल में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में पूरा कैंपस खाली करा लिया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस एंटी बम स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची है। पुलिस को अब तक की जांच में कुछ नहीं मिला है। हालांकि पुलिस अभी भी जांच जारी रखे हुए है। यह भी माना जा रहा है कि किसी ने मजाक में मेल किया हो।

उत्कृष्ट कार्य के लिए महापौर ने अफसरों को किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम द्वारा नगर के विकास में एवं सरकार की कार्यदायी योजनाओं को सफल बनाने में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए गुरुवार को निगम मुख्यालय पर आयोजित सम्मान समारोह के निगम के समस्त अपर नगर आयुक्तों एवं अधिकारियों को सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने चार अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियन्ता सिविल, मुख्य अभियन्ता विद्युत यांत्रिक, लेखाधिकारी मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, मुख्य नगर लेखा परीक्षक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अरुण कुमार नए अपर नगर आयुक्त

उत्तर प्रदेश पालिका सेवा (केंद्रीयत) के अधिकारी अरुण गुप्ता को लखनऊ नगर निगम में अपर नगर आयुक्त के पद पर तैनात किया गया है। वह अभी तक वह प्रयागराज में नगर निगम में अपर नगर आयुक्त थे। लखनऊ नगर निगम में तैनात अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को कानपुर अपर नगर आयुक्त के पद पर भेजा गया है।

वाराणसी में मुस्लिम बहुल इलाकों में बाजार बंद

» जुमे की नमाज को लेकर छावनी में तब्दील ज्ञानवापी परिसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुलिस ने की बैरिकेडिंग

सुबह बांस फाटक पर बैरिकेडिंग कर दो पहिया वाहनों को चौक की तरफ जाने से पुलिसकर्मियों ने रोका तो नई सड़क क्षेत्र में दुकानें बंद रहीं। ज्ञानवापी पर पुलिस कर्मियों को डीसीपी काशी जोन आर एस गौतम ने दिशा-निर्देश दिया और सतर्क रहने की हिदायत दी है।

वाराणसी। ज्ञानवापी के व्यास जी के तहखाने में पूजा-पाठ के जिला जज के आदेश के खिलाफ अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद ने जुमा के दिन (शुक्रवार) को बंदी का एलान किया है। सुबह ज्ञानवापी के आसपास मुस्लिम बहुल इलाकों में बाजार बंदी रही। कुछ दुकानें सुबह खुली भी रहीं।

अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद के महासचिव अब्दुल बातिन नोमानी की ओर से जारी पत्र में कहा गया था कि ज्ञानवापी के दक्षिणी तलगृह में पूजा पाठ की अनुमति देने से मुसलमानों में नाराजगी है। इसके विरोध में दुकानें बंद रखने की अपील की गई थी। अब्दुल बातिन नोमानी ने इस पत्र में ये कहा कि कोर्ट के फैसले के विरोध में मुसलमान जुमा के दिन शांतिपूर्ण रूप से अपना कारोबार बंद रखकर जुमा की नमाज से असर की नमाज तक दुआख्वानी करेंगे। इसके साथ ही सभी से अपील किया है कि शांति बनाए रखें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

व्यासजी के तहखाने में शुरू पूजा के खिलाफ अपील पर हाईकोर्ट में सुनवाई

वाराणसी जिला जज द्वारा ज्ञानवापी तहखाने में हिंदू पक्ष को मिले पूजा के अधिकार के खिलाफ अंजुमने इंतजामियां कमेटी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इंतजामिया कमेटी ने अपील दाखिल करते हुए जिला जज के 31 जनवरी के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। मामले की सुनवाई जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की कोर्ट में चल रही है। कोर्ट में दोनों पक्षों के वकील पहुंच चुके हैं। सुनवाई शुरू होने पर इंतजामिया कमेटी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि जिला जज वाराणसी ने सेवानिवृत्ति के दिन हड़बड़ी में पूजा करने का आदेश जारी किया है। इस पर रोक लगाई जानी चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वितीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।